Regarding creation of ?Bheel Pradesh?-Laid

श्री राजकुमार रोत **(**बांसवाड़ा**) :** राजस्थान-मध्यप्रदेश-गुजरात-महाराष्ट्र के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों के भील समुदाय की अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान है । आजादी के बाद समान संस्कृति-पहचान वाले क्षेत्र को विभिन्न राज्यों में विभाजित कर दिया गया, जिससे यहां के आदिवासियों की विशिष्ट पहचान खत्म हुई है व क्षेत्र का समुचित विकास नही हुआ है । उक्त भीलप्रदेश का क्षेत्र निम्नानुसार है:-

1. राजस्थान:- डूंगरपुर, बांसवाड़ा, उदयपुर, प्रतापगढ़, सिरोही, जालोर, बाड़मेर, पाली, राजसमंद, चित्तोड़गढ़ कोटा एवं बांरा जिले (28 लाख 05 हजार 948 आदिवासी जनसंख्या)

2. गुजरात:- बनासकांठा, साबरकांठा, अरावली, महिसागर, दाहोद, पंचमहल, छोटा उदयपुर, वडोदरा ग्रामीण, नर्मदा, भरूच, सुरत, तापी एंव नवसारी, जिले (34 लाख 41 हजार 945 आदिवासी जनसंख्या)

3. मध्यप्रदेश:- रतलाम, नीमच, मंदसौर, झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर एवं खंडवा जिले । (46 लाख 19 हजार 68 आदिवासी जनसंख्या)

4. महाराष्ट्र:- नंदुबार, धुले, जलगांव, नासिक, पालघर एवं ठाणे जिले (18 लाख 18 हजार 792 आदिवासी जनसंख्या)

1913 में गोविन्द गुरू के नेतृत्व में मानगढ़ पर लाखो भील एकत्र हुए थे जिन पर अंग्रेजों-रजवाड़ों द्वारा गोलियां चलाने से 1500 से अधिक आदिवासी मारे गए थे, साथ ही भीलप्रदेश के लिए विभिन्न जन-आन्दोलनों, सामाजिक-राजनैतिक संगठनों, व्यक्तियों द्वारा हमेश मांग उठाई है । राजस्थान-गुजरात-मध्यप्रदेश-महाराष्ट्र के आदिवासी क्षेत्रों को मिलाकर एक भील प्रदेश के निर्माण की आवश्यकता है ।

_____

माननीय सभापति **:** मैं चाहता हूं कि आप सभी सदस्यगण स्वयं में समीक्षा करें कि हंगामा किसके हित में है और इस हंगामे का लाभ किसे होगा? कम से कम जनता को तो इस हंगामे का लाभ नहीं मिलेगा । आपको जनता ने अपनी समस्याओं और कठिनाइयों के बारे में बात करने के लिए भेजा है ।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति : अभय कुशवाहा जी, आप सदन को बाधित कर रहे हैं । आप खुद सोचिए कि इससे जनता को लाभ हो रहा है या नुकसान हो रहा है? हैबी ईडन जी, मेरी बात सुनिए । अगर सदन की कार्यवाही को बार-बार आप लोग स्थगित करेंगे, तो it would not be any achievement. यह कोई उपलब्धि नहीं है, बल्कि लोकतंत्र के लिए यह भारी चिंता का विषय है ।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति : माननीय सदस्यगण, इससे पूरे देश का नुकसान हो रहा है । इस तरह से रोज-रोज व्यवधान करना ठीक नहीं है । दो सौ माननीय सदस्यों के प्राइवेट मैंबर बिल्स हैं । इन बिल्स का महत्व उतना ही है, जितना सरकार के द्वारा लाए गए बिलों का होता है । आज का दिन आपके लिए है ।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति : स्पीकर साहब ने सुबह प्रश्नकाल में आपसे कहा कि हम इस सदन को सुचारू रूप से चलाने की पहल करेंगे । आपके जो भी विषय हैं, उसके लिए हम सरकार के प्रतिनिधियों को बुलाएंगे । आपके साथ बैठेंगे, परस्पर सहमति करेंगे, एक रास्ता निकालेंगे ।?

? (व्यवधान)

माननीय सभापति : श्री अर्जुन राम मेघवाल जी ।

विधि और न्याय मंत्रालय के राज्य मंत्री**;** तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री **(**श्री अर्जुन राम मेघवाल**) :** चेयरमैन सर**,** आज का बिल गोवा विधान सभा में एसटी को रिप्रेजेंटेशन देने से संबंधित है ।? (व्यवधान) लेजिस्लेटिव बिजनेस गोवा विधान सभा में अनुसूचित जनजाति को रिप्रेजेंटेशन देने से संबंधित है । यह बहुत महत्वपूर्ण बिल है । ? (व्यवधान) विपक्ष के लोगों से मैं यह पूछना चाहता हूं कि क्या वे अनुसूचित जनजाति के भी खिलाफ हैं? यह महत्वपूर्ण बिल है । ? (व्यवधान)

सर, यह बिल गोवा विधान सभा में अनुसूचित जनजाति को रिप्रेजेंटेशन देने से संबंधित है । कृपया आप मुझे अलाऊ करिए । ? (व्यवधान)

माननीय सभापति : माननीय सदस्यगण, माननीय मंत्री जी एक विषय उठा रहे हैं कि गोवा के एसटी लोगों को रिजर्वेशन देना है । कई दिनों से यह बिल एजेंडे में लगातार आ रहा है । यदि आपकी सहमति हो, तो उस पर आज चर्चा कर लें । माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी अपील कर रहे हैं ।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति : माननीय सदस्यगण, मैं आप सभी से एक बात कहना चाहता हूं । सबसे महत्वपूर्ण प्राइवेट मैंबर बिजनेस है और दो सौ माननीय सदस्यों के प्राइवेट मैंबर बिल्स हैं, जिनको आज ?ले? करना है । प्राइवेट मैंबर बिजनेस पर चर्चा होनी है । मैं आपसे आग्रह करना चाहता हूं कि आज केवल आपका दिन है ।

? (व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON: Friday is reserved only for Private Members? Business. यह आपका बिल है और यह काफी महत्वपूर्ण बिल है । इस पर पूरे सदन के सदस्य चर्चा करेंगे ।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति : जय प्रकाश सिंह जी, अमर सिंह जी, बैन्नी बेहनन साहब, आप सब वरिष्ठ सदस्य हैं । आप इनसे रिक्वेस्ट कीजिए कि ये वैल को खाली करें, ताकि हम सभी को प्राइवेट मैंबर बिजनेस के लिए अलाऊ करें । दो सौ माननीय सदस्यों को प्राइवेट मैंबर बिल्स ?ले? करने हैं ।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति : माननीय सदस्यगण, स्पीकर साहब ने आज ऑल पार्टी मीटिंग भी बुलाई । वर्षा जी, कृपया सुन लीजिए । उन्होंने आज कहा कि हम सरकार के प्रतिनिधियों व विपक्ष तथा सभी पार्टीज़ के समस्त सदस्यों को बुलाएंगे । संसदीय कार्य मंत्री श्री किरेन रिजिजू जी और राज्य मंत्री जी, एलओपी से मिले । यह डेडलॉक कैसे खत्म होगा**?** चेयर चिंतित है**,** पूरा देश चिंतित है कि आखिर इस सदन में क्या हो रहा है?

? (व्यवधान)

माननीय सभापति : देश की जनता को यह जानने का हक है कि इस सदन में क्या हो रहा है । आप अपने संसदीय क्षेत्रों में शनिवार व रविवार को जाएंगे । आजाद जी, आप अपने क्षेत्र की जनता से पूछिएगा कि जनता क्या चाहती है? क्या वह सदन में आपको हंगामा करते देखना चाहती है?

? (व्यवधान)

माननीय सभापति : आप जनता के दु:ख और तकलीफों के बारे में सदन में चर्चा करें**,** वे आपसे इसकी अपेक्षा रखते हैं ।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** आपके रिकॉर्ड में क्या जाएगा?

? (व्यवधान)

माननीय सभापति : धर्मेन्द्र जी**,** आप शनिवार**,** रविवार को अपने क्षेत्र के लोगों से पूछिएगा कि वे आपको यहाँ बोलते हुए देखना चाहते हैं**,** आपको प्राइवेट मैंबर बिजनेस में भाग लेते देखना चाहते हैं या आपको केवल हंगामा करते हुए देखना चाहते हैं ।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति : जब सरकार उन विषयों पर संज्ञान ले रही है । देश और आम जन की?

? (व्यवधान)

माननीय सभापति : आप हंगामा करके देश की जनता का अहित कर रहे हैं ।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** आप उसकी गरिमा और प्रतिष्ठा को ठेस पहुँचा रहे हैं ।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति : मेरा आप सभी लोगों से आग्रह है कि आप सब अपनी-अपनी जगह पर जाएं और सदन की कार्यवाही चलाएं ।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति : अभय जी, सदन की कार्यवाही चलाने में सहयोग करें । । सभी के प्राइवेट मैंबर बिल्स हैं ।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति : आप जो आचरण कर रहे हैं, वह इस सदन की गरिमा के अनुरूप नहीं है ।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति : यह वही सदन है, जिसमें देश की जनता ने उनसे जुड़े हुए विषयों पर गंभीर चिंतन-मनन होते हुए देखा है । स्वस्थ सकारात्मक संवाद के माध्यम से उनकी परेशानियों का समाधान निकलते देखा है ।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति : आपसी विचार-विमर्श के माध्यम से जनहित में कानून बनते देखा है । यह सदन ऐतिहासिक है । यह सदन इस बात का गवाह रहा है ।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति : मेरा आग्रह है कि इस सदन ने आपको देश में जनहित के कानून बनाते हुए देखा है । आप लोग इस वेल को वैकेट करें ।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति : मैं आपसे यह चाहता हूँ कि आप सब अपनी-अपनी जगह पर जाएं और सदन की कार्यवाही चलाने में सहयोग करें ।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति : मैं असमर्थ हूँ कि जब सरकार प्रत्येक विषय पर चर्चा करने के लिए तैयार है, देखिए, सरकार हर विषय पर चर्चा करने के लिए तैयार है ।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति : स्पीकर साहब ने भी पहल की है । उन्होंने आज सभी दलों के नेताओं के साथ ऑल पार्टी मीटिंग की है और एक रास्ता निकाला है । जब सरकार सदन के अंदर, सदन के बाहर आश्वस्त कर रही है कि वह हर विषय पर नियमानुसार चर्चा करने के लिए तैयार है, तो फिर इस गतिरोध का क्या कारण है?

? (व्यवधान)

माननीय सभापति : आप मेरी बात सुनिए । आप सरकार से जवाब माँग रहे हैं । आप सरकार से जवाब चाहते हैं, तो सरकार जवाब देने के लिए तैयार है । सरकार जवाब देने के लिए तैयार है ।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** मैं अर्जुन राम मेघवाल जी से कह रहा हूँ कि आप जवाब दीजिए ।

? (व्यवधान)

श्री अर्जुन राम मेघवाल **:** सर**,** मैं तैयार हूँ । मैं जवाब देने के लिए तैयार हूँ ।? (व्यवधान) यह अनुसूचित जनजाति से संबंधित महत्वपूर्ण बिल है ।? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** मंत्री जी**,** जवाब देने के लिए तैयार हैं ।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** कस्वां जी**,** शैलजा जी**,** आप जवाब माँग रहे हैं । मंत्री जी**,** जवाब देने के लिए तैयार हैं**,** फिर सदन में व्यवधान क्यों उत्पन्न हो रहा है?

? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** सरकार चर्चा के लिए तैयार है**,** तो फिर यह व्यवधान क्यों उत्पन्न हो रहा है**?**

? (व्यवधान)

श्री अर्जुन राम मेघवाल **:** महोदय**,** आप इस बिल पर चर्चा कराइए ।? (व्यवधान) आप चर्चा कराइए ।? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** मेरा आपसे आग्रह है कि सदन को बाधित मत कीजिए । सरकार चर्चा के लिए तैयार है और मैं आपको अलाऊ करने के लिए तैयार हूँ ।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** यह पूरा सप्ताह**,** पूरा वीक आपके हंगामे के कारण वाशआउट हो गया है ।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** आखिर देश की जनता की आपसे कुछ अपेक्षाएं हैं**,** लेकिन आप इस सदन को नहीं चलने देना चाहते हैं ।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** मैं आपसे फिर आग्रह करता हूँ कि आप इस सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाएँ । आज प्राइवेट मैंबर बिजनेस है । प्राइवेट मेंबर बिजनेस यानी फ्राइडे बहुत महत्वपूर्ण होता है ।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** अरविन्द सावंत जी**,** लगभग 200 माननीय सदस्यों को अपने-अपने प्राइवेट मैंबर बिल को रखना है । आपको भी ले करना है**,** अन्य सभी माननीय सदस्यों को भी ले करना है । सदन इस तरह से नहीं चलता है । मैं चाहता हूँ कि आप सब प्राइवेट मेंबर बिजनेस पर सहयोग करें ।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** सुप्रिया जी, आप इन लोगों से आग्रह कीजिए । राहुल गाँधी यहाँ नहीं हैं । हैबी ईडन साहब**,** आप लीडर के रूप में आग्रह करें । हुड्डा साहब**,** आपसे आग्रह है । मणिक्कम जी**,** आप इन लोगों से रिक्वेस्ट कीजिए कि ये लोग अपनी सीट्स पर आएं और प्राइवेट मैंबर बिजनेस पर चर्चा करने के लिए तैयार हों । आप सभी वरिष्ठ लोग हैं ।

? (व्यवधान)

माननीय सभापति **:** सभा की कार्यवाही सोमवार, दिनांक 28 जुलाई, 2025 को प्रात: 11 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है ।

14.13 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Monday, July 28, 2025/Sravana 6, 1947 (Saka).

———

---

* Treated as laid on the Table.